

#05

सलाह से
समाधान





प्राइवेट हॉस्पिटल के एमर्जेन्सी रूम में



मेरे पिता की तबीयत पिछले कुछ दिनों से खराब चल रही है, इनको पेट में कुछ दिनों से काफी दर्द था, अब अचानक बहुत ज्यादा बढ़ गया है।

डॉक्टर कमलेश के पिता की जाँच करते हुए



डॉक्टर, मैंने इनके कुछ टेस्ट लिख दिए हैं, रिपोर्ट आने के बाद हमें पता चल पायेगा की परेशानी क्या है।



ठीक है डॉक्टर साहब



टेस्ट रिजल्ट आने के बाद



क्या.....

इनके तो अपेंडिक्स में सूजन काफी बढ़ गया है, अगर तुरंत सर्जरी नहीं की तो फट भी सकता है!



नहीं नहीं, डॉक्टर साहब आप इनको सर्जरी के लिए भर्ती कर लीजिये।



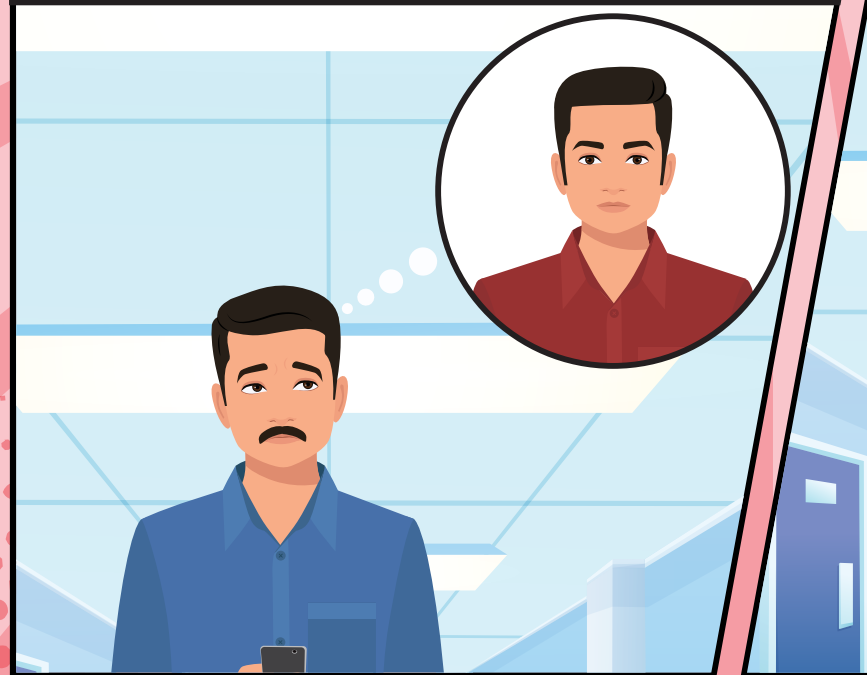
मैडम, मेरे पिता की सर्जरी है, उनके पास आयुष्मान कार्ड भी है इसको आप जमा कर के सर्जरी के अप्रूवल के लिए भेज दें, ज़रा जल्दी।



भाईसाहब, ये प्राइवेट अस्पताल है, यहाँ पर आयुष्मान कार्ड नहीं चलता, सर्जरी के लिए एक लाख रुपये जमा कराने पड़ेंगे।

हे भगवान अब मैं क्या करूँ?

घबराये हुए कमलेश को अचानक अपने मित्र की बात याद आती है। उन्होंने कुछ ही दिनों पहले टेली-लॉ के हेल्पलाइन नंबर 14454 से वकील से जानकारी प्राप्त की थी।



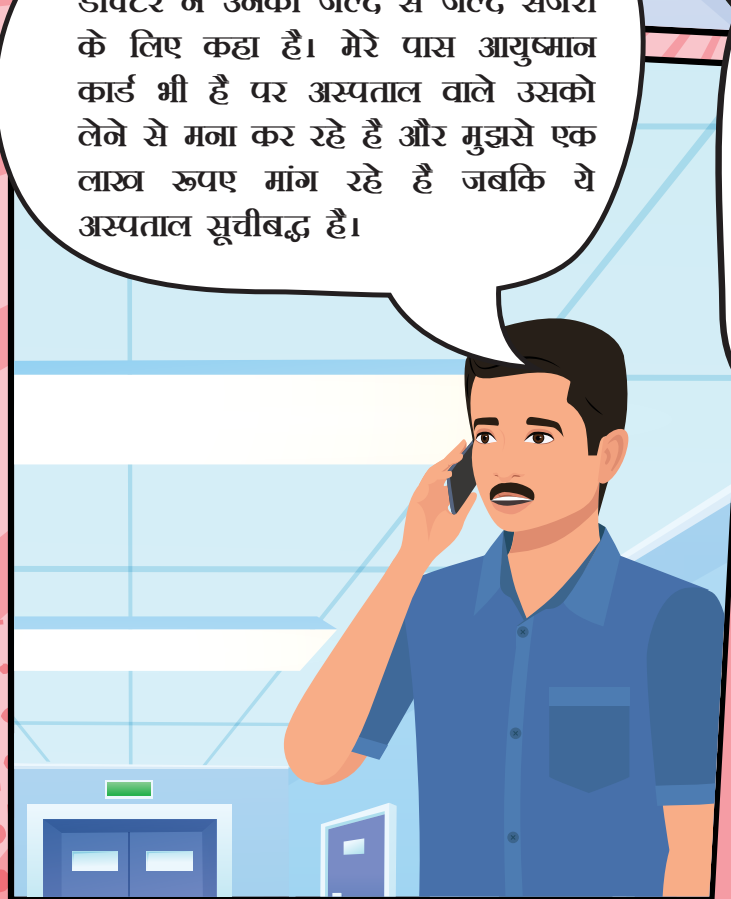
हेलो, मेरा नाम कमलेश है, क्या आप मेरी बात किसी वकील से करा सकती हैं?



नमस्कार कमलेश जी मैं दीपा, टेली सुविधा केंद्र में आपका स्वागत करती हू। मैं आपको एक वकील से कनेक्ट कराती हू।



नमस्ते मैं एडवोकेट निकिता बात कर रही हू। आप बेझिझक मुझे अपनी पूरी समस्या बता सकते हैं।



मेरे पिता अस्पताल में भर्ती है और डॉक्टर ने उनको जल्द से जल्द सर्जरी के लिए कहा है। मेरे पास आयुष्मान कार्ड भी है पर अस्पताल वाले उसको लेने से मना कर रहे हैं और मुझसे एक लाख रूपए मांग रहे हैं जबकि ये अस्पताल सूचीबद्ध है।



आप घबराये मत। यदि कोई सूचीबद्ध अस्पताल इलाज के लिए आपके आयुष्मान कार्ड को स्वीकार करने से मना करता है तो आपके पास इसके खिलाफ शिकायत करने क बहुत से माध्यम हैं। जैसे आधिकारिक आयुष्मान भारत शिकायत निवारण पोर्टल, राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण के पास लिखित शिकायत और आप राष्ट्रीय कॉल सेंटर 14555 पर भी कंप्लेंट दर्ज कर सकते हैं। साथ ही आप अस्पताल के सी.एम.ओ या मेडिकल डायरेक्टर से भी मिल कर शिकायत कर सकते हैं।



वकील से सलाह लेने के बाद मैंने बिलिंग काउंटर पर जा कर उनसे मेडिकल डायरेक्टर से मिलने की बात की और उनको यह भी बताया कि आपका अस्पताल सूचीबद्ध है और उन्होंने अगर आयुष्मान कार्ड को अस्वीकार किया तो मैं उनकी कंप्लेंट वकील के बताये माध्यमों से दर्ज कर दूंगा। ऐसा करने के कुछ ही देर बाद अस्पताल वालो ने मेरा कार्ड स्वीकार करके मेरे पिता को सर्जरी के लिए भर्ती कर लिया। मैं टेली-लों का ध्यानवाद करना चाहता हूँ उनके हेल्पलाइन नंबर के माध्यम से मुझे तुरंत सलाह मिल गयी और मेरी परेशानी दूर हो गयी।

